मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर कानपुर में बनेगा

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स

- 200 एकड़ जमीन की शर्त को शिथिल कराया जाएगा
- जमीन पर केंद्र सरकार से राहत देने का अनुरोध किया जाएगा

मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर कानपुर में बनाने की तैयारी है। औद्योगिक विकास विभाग ने इस संबंध में यूपीसीडा के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। क्लस्टर कानपुर के ट्रांसगंगा सिटी में बनना है। इस मुहिम में एक बाधा अपेक्षित जमीन की कमी होना है, पर इसके लिए केंद्र सरकार से कुछ राहत देने अनुरोध किया जाएगा।

हाल में औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना व विभाग के अधिकारियों ने कानपुर के औद्योगिक विकास पर बैठक कर यह निर्णय लिया है। यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी मयूर माहेश्वरी ने ट्रांसगंगा में प्रोजेक्ट के लिए प्रस्ताव रखा है। इस पर औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने आईटी विभाग से कहा है कि वह यूपीसीडा के प्रस्ताव पर विचार करे। अब आईटी विभाग केंद्र सरकार के इलेक्ट्रानिकी व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से अनुरोध करेगा कि वह जमीन के क्षेत्रफल सीमा संबंधी अपने नियम को शिथिल करे और इसे 50 एकड़ तक ले आए। नई इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग कलस्टर प्रस्तावित किया गया है।

परियोजना के लिए 200 एकड़ जमीन की जरूरत

केंद्र सरकार की योजना में इस परियोजना के लिए न्यूनतम 200 एकड़ जमीन की जरूरत है। चूंकि ट्रांसगंगा सिटी में केवल 50 एकड़ जमीन है। वैसे ट्रांसगंगा के अलावा अन्य जगह भी पर्याप्त जमीन तलाशी जा रही है। इस क्लस्टर में मेडिकल उपकरण बनाने वाली फार्मा कंपनियां यहां अपनी यूनिट लगाएंगी।।

मांग पर सहमति: मालिक के निधन के बाद यूपीसीडा की जमीन विधिक उत्तराधिकारी को 100 रुपये के स्टांप पर हस्तांतरित करने की उद्यमियों की मांग पर सहमति बन गई है। इस मामले में स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग से राय ली जाएगी।